अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	उड़न खटोला (चित्रकथा)	5
1.	प्रकृति से सीखें (कविता)	8
2.	बीरबल की बुद्धिमता (कहानी)	16
3.	फ्लोरेंस नाइटिंगेल (जीवनी)	24
4.	आलू की बारात (कविता)	33
5.	ताजमहल की यात्रा (यात्रा-वृतांत)	42
6.	गुब्बारे (कविता)	51
7.	सामान्य जीवन (एकांकी)	57
8.	साहस का मूल्य (कहानी)	63
9.	हमारा स्वतंत्रता दिवस (एकांकी)	70
10.	पुस्तक (कविता)	77
11.	किसने बनाई टमाटर की चटनी (कहानी)	84
★	स्वमूल्यांकन पत्र-1	93
★	स्वमूल्यांकन पत्र-2	95

EDITONE INTERNATIONAL

उड़न-खटोला

(चित्रकथा)

(केवल पठन हेतु)

हंसिका ने अपनी मम्मी से कहा तो वह सोचने लगी।
शायद वह नीले फ्रॉक वाली गुड़िया इसकी सहेली थी। हमें तीनों खिलौने लेने चाहिए थे। तब यह ज्यादा खुश रहती।

हंसिका मम्मी के साथ फिर से खिलौनेवाले के पास गई। लेकिन नीले फ्रॉक वाली गुड़िया तो कोई ले गया था। बचा था सिर्फ़ उड़न-खटोला। हंसिका की मम्मी ने उड़न खटोला खरीदा और वापस आ गई।

हंसिका ने घर आकर खुशी-खुशी वह उड़न-खटोला गुड़िया के पास रख दिया। फिर गुड़िया से मीठी-मीठी बातें करती न जाने कब सो गई।

पर सुबह हंसिका उठी तो हैरान रह गई। उसके खिलौनों की अलमारी में अब न गुड़िया थी और न उड़न-खटोला....! हंसिका दौड़ी-दौड़ी मम्मी के पास गई।
मम्मी-मम्मी, गुड़िया तो गई। साथ में उड़न-खटोला भी।

शिक्षा: अपनों के साथ रहने से बड़ी और कोई खुशी नहीं है।

प्रकृति से सीखें
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

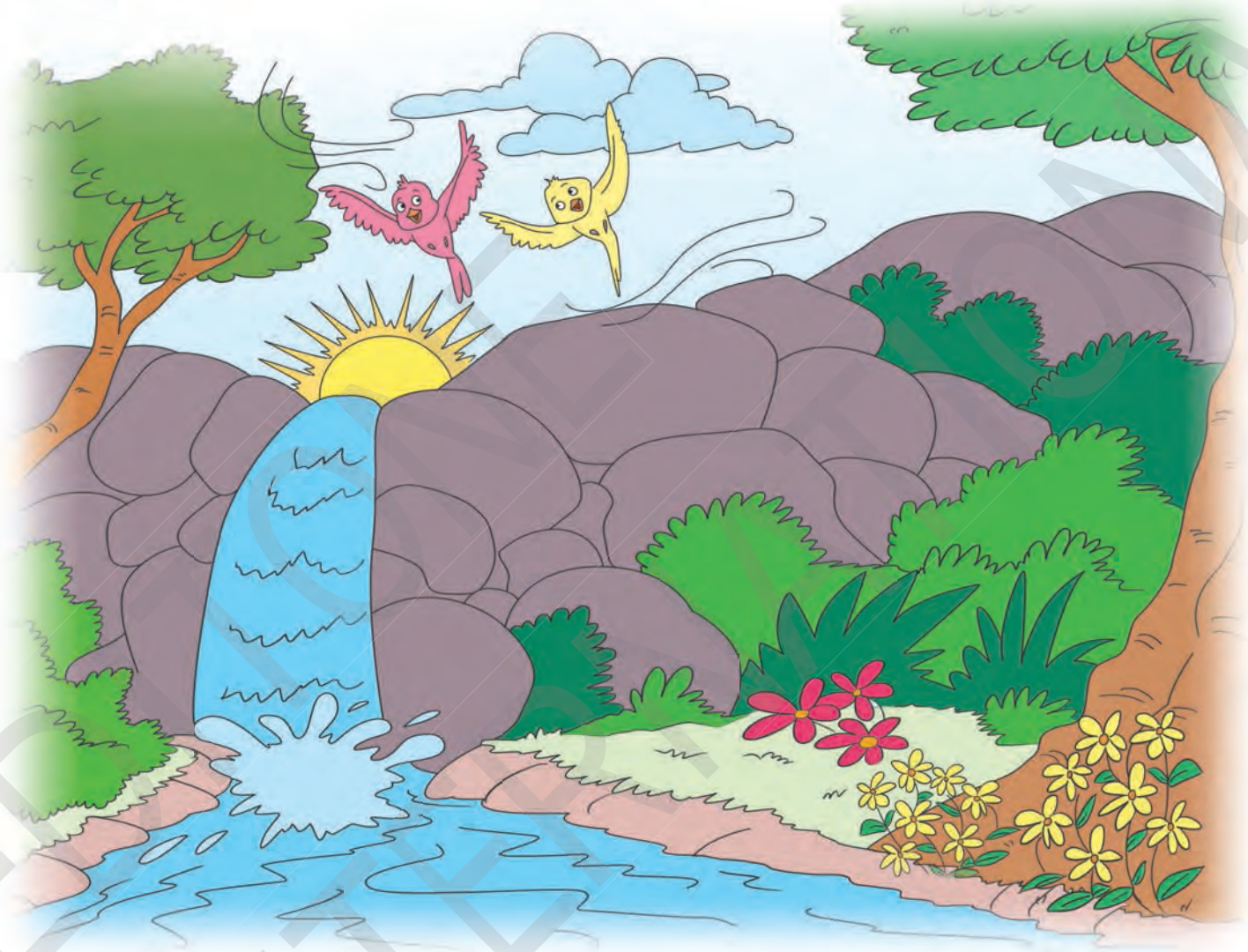

- हम प्रकृति के किस उपहार को सुनकर, छूकर, स्पर्श द्वारा जान पाते हैं?

कविता का मूल तत्व

कविता में लेखक अपने मन की इच्छाओं को जाहिर कर रहे हैं, साथ ही प्रकृति के महत्व को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

काश! मैं पानी बन जाऊँ,

सबकी प्यास बुझाऊँ।

कभी नदी, कभी झरना बनकर,

हित सबका करने आऊँ।

काश! मैं पंछी बन जाऊँ,

सबको भोर उठाऊँ।

सूरज के जगने से पहले,

चार दिशा घूम आऊँ।

काश! मैं बादल बन जाऊँ।

पानी भर-भर लाऊँ।

नीले-नीले आसमान में,

इधर-उधर मंडराऊँ।

EDITONE INTERNATIONAL

काश! मैं हवा बन जाऊँ,

मंद–मंद लहराऊँ।

खेत, मैदान, पहाड़ों तक की,

सैर करके आऊँ।

–सोहनलाल द्विवेदी

शब्दार्थ

पंछी	= पक्षी	भोर	= सुबह
मंद	= धीरे	हित	= भला
सैर	= घूमना	मंडराऊँ	= किसी वस्तु के आस–पास चक्कर लगाना

उच्चारण करें

झरना उठाऊँ मंडराऊँ इधर उधर

श्रुतलेख

खेत	मैदान	सूरज	प्यास	दिशा
सैर	बादल	काश	आसमान	झरना

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के साथ चर्चा करें कि प्रकृति से हमें क्या–क्या मिलता है?

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) कवि पानी बनकर क्या करना चाहता है?

(ख) मंद-मंद कौन लहराना चाहता है?

(ग) चारों दिशा घूमकर कौन आना चाहता है?

(घ) इधर-उधर कौन मंडराना चाहता है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) सबका हित कौन करना चाहता है?

.....

(ख) सूरज से पहले कौन जगना चाहता है?

.....

(ग) हवा बनकर क्या करने का मन होता है?

.....

(घ) इधर-उधर कौन मंडराना चाहता है?

.....

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।

काश! मैं .....

पानी ..... लाऊँ

..... आसमान में,

..... मंडराऊँ।

EDITONE INTERNATIONAL

4. सही मिलान कीजिए।

(क) सूरज	(i) दिशा
(ख) बादल	(ii) प्यास
(ग) पानी	(iii) भोर
(घ) हवा	(iv) सैर
(ङ) पंछी	(v) पानी

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. किसी दिन अगर सूरज न निकले, तो क्या होगा?

6. यदि आपको अपने मन से कुछ करने की स्वतंत्रता दे दी जाए तो आप क्या करना चाहेंगे?

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. कविता में से पाँच संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए।

....

8. समान अर्थ वाले शब्द चुनकर लिखिए।

पवन आकाश पक्षी अंबर जल मेघ जलधर वारी दिनकर
भानू नीर घन समीर नभ खग नभचर रवि वायु

(क) हवा – ....

(ख) पानी – ....

EDITONE INTERNATIONAL

(ग) पंछी – ....

(घ) बादल – ....

(ङ) आसमान – ....

(च) सूरज – ....

9. 'उ' (ु) तथा ऊ (ू) की मात्रा वाले शब्द अलग-अलग चुनकर लिखिए।

उ (ु)	ऊ (ू)
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

सूरज फूल
झूल
सुन गुण
धूम
बुनकर सुख

10. कविता में आए सर्वनाम शब्दों पर गोला (○) लगाइए।

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे- मैं, तुम, आप, हमें, सबका आदि।

भर मैं कभी बन

11. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए।

(क) नदी – .....

(ख) खेत – .....

(ग) मैदान – .....

(घ) झरना – .....

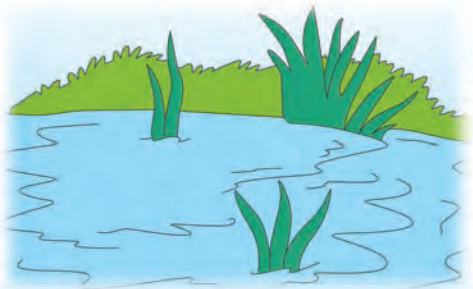

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

12. प्रस्तुत कविता से आपको क्या सीख मिलती है? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

13. प्राकृतिक संसाधनों को पहचानकर उस पर (✓) का चिह्न लगाइए।

 ☐

 ☐

 ☐

 ☐

 ☐

 ☐

EDITONE INTERNATIONAL

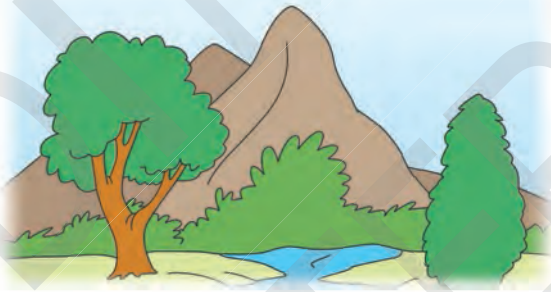

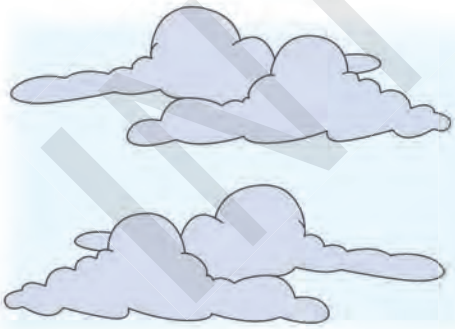

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

14. दिए गए चित्र में रंग भरिए।

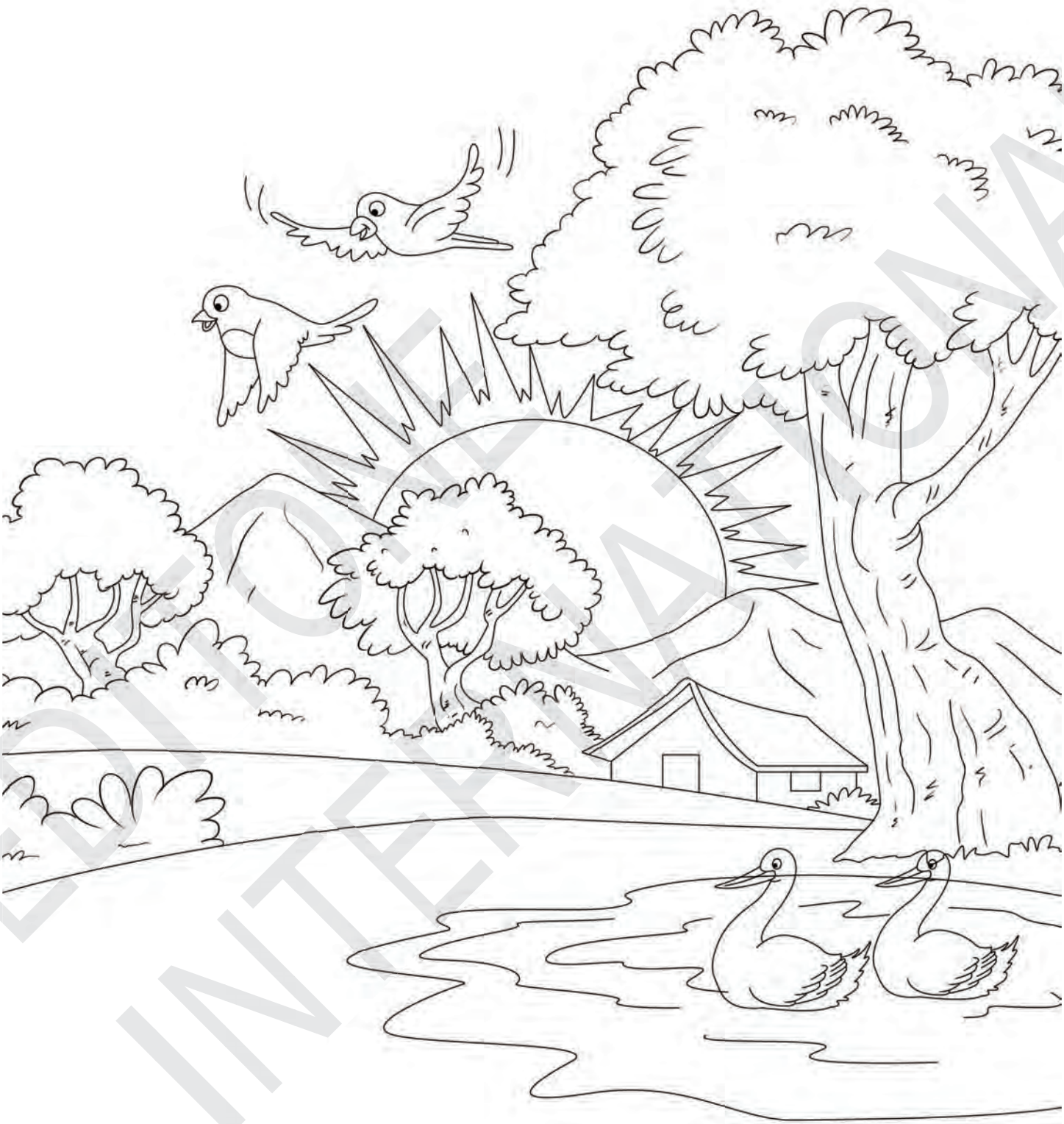

EDITIONAL INTERNATIONAL

अध्याय 2

बीरबल की बुद्धिमता

(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

- बीमार पड़ने पर हमें क्या करना अच्छा लगता है और क्या नहीं? बताइए।

कहानी का मूल तत्व

बुद्धिमता गंभीर परिस्थितियों में भी आशा और सफलता के दरवाज़े खोल देती है।

एक बार की बात है, अकबर बहुत बीमार पड़ गए। अकबर के हक़ीम ने दवा देकर राजा को आराम करने को कहा, मगर अकबर को तो जैसे कुछ अच्छा ही नहीं लग रहा था; न तो नींद आ रही थी और न ही तबीयत में सुधार हो रहा था।

तभी अकबर ने अपने मंत्री को बुलाया और कहा, "मैं बहुत ऊर्जाहीन और उबाऊ महसूस कर रहा हूँ। अकबर के मंत्रीगण इस बात से बहुत निराश हो रहे थे कि उनके राजा इतने अस्वस्थ हो चुके हैं कि रात भर जागते रहते हैं।

तभी सभी मंत्रीगण मिलकर एक योजना बनाने लगे, क्यों न कुछ ऐसा किया जाए जिससे हमारे राजा का स्वास्थ्य और खुशी दोनों लौट आए। विचार-विमर्श करने के बाद अकबर के सबसे प्रिय मंत्री बीरबल को इस बारे में सूचना देकर ज़ल्द ही महल में बुलवा लिया गया। बीरबल और मंत्रीगण अब अकबर को हँसाने के प्रयास में जुट गए।

बीरबल अकबर के कक्ष में जाकर एक कहानी सुनाने का अनुरोध करता है जिससे राजा की उदासी और बीमारी एक ही रात में छू–मंतर हो जाए।

अकबर – सुनाओ कहानी, बीरबल।

बीरबल – एक जंगल में सौ साल पुराना एक विशाल बरगद का वृक्ष था, जिस पर अनेक पक्षी रहते थे। हर रोज़ पक्षी सुबह अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में उड़ जाते और शाम तक लौटकर आते और अपने बच्चों को भोजन देते।

अकबर – कितने पक्षी उड़ते थे?

बीरबल – पाँच सौ। पहला पक्षी उड़ता... फुर्र...।

अकबर – फिर...

बीरबल – दूसरा... फुर्र..., तीसरा... फुर्र।

अकबर – फिर उसके बाद...

बीरबल – चार सौ
सतानवे अभी
भी बचे हैं,
वो भी तो
उड़ेंगे... फुर्र...

अकबर – सभी पक्षी उड़ गए।... फिर...

बीरबल – शाम को
लौटकर

आएँगे। अपने बच्चों को खाना खिलाएँगे और अगली सुबह फिर... फुर्र...

यह सुनते ही अकबर ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे और पास खड़े मंत्री भी हँसने लगे। अपने राजा को प्रसन्न और उन्हें नींद आती देख सभी ने बीरबल की बुद्धिमता और चतुराई की प्रशंसा की।

शब्दार्थ

हक़ीम	=	इलाज़ करने वाला	अस्वस्थ	=	बीमार
विचार-विमर्श	=	बातचीत करना	सूचना	=	ख़बर
प्रशंसा	=	तारीफ	वृक्ष	=	पेड़
उबाऊ	=	बोर होना (किसी काम में मन न लगना)			

उच्चारण करें

योजना	ज़ल्द	बीरबल	मंत्री	तबीयत	सुधार
अच्छा	अंडे	प्रसन्न	मुर्गी	सफलता	आशा

श्रुतलेख

प्रयास	ऊर्जाहीन	अनुरोध	कुकड़ूँ-कूँ	प्रशंसा
चतुराई	बुद्धिमता	गंभीर	आवाज़	छूमंतर

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के साथ अकबर के किसी अन्य किस्से पर भी चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) अकबर के बीमार पड़ने पर किसने उन्हें दवा दी?

(ख) अकबर ने किसको बुलाया?

(ग) किन लोगों के बीच राजा की तबीयत में सुधार को लेकर बातचीत हुई?

(घ) बीरबल ने अकबर के कक्ष में जाकर उन्हें क्या सुनाना चाहा?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) अकबर ने अपने मंत्रियों को अपने स्वास्थ्य को लेकर क्या कहा?

.....

(ख) मंत्रियों ने राजा के लिए क्या बनाई?

.....

(ग) अकबर को कहानी सुनाने के लिए कौन आया?

.....

(घ) बीरबल की सुनाई कहानी में किसकी चर्चा हुई?

.....

3. उचित शब्दों के साथ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) राजा अकबर को ..... ने दवा दी। (हक़ीम/मंत्री)

EDITONE INTERNATIONAL

(ख) राजा अकबर ने अपने ..... को बुलाया। (सिपाही/मंत्री)

(ग) किस्सा सुनकर मंत्री और राजा ..... लगे। (रोने/हँसने)

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. हम किन-किन कारणों से बीमार पड़ सकते हैं?

5. हमें तंदुरुस्त बने रहने के लिए क्या-क्या अपनाना चाहिए? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. दिए गए शब्दों से वाक्य निर्माण कीजिए।

(क) खुश : .....

(ख) नींद : .....

(ग) राजा : .....

(घ) कहानी : .....

(ङ) वृक्ष : .....

(च) मंत्री : .....

7. 'भर' शब्द को जोड़ते हुए नया शब्द बनाइए।

(क) पेट+भर – .....

(ख) रात+भर – .....

(ग) दिन+भर – .....

(घ) साल+भर – .....

EDITION ONE INTERNATIONAL

8. मिलते-जुलते शब्दों को छाँटकर लिखिए।

संडे	कल	डर	ठंडे	घर	जल
टहल	डंडे	चहल	नल	चर	दहल

(क) अंडे – ....

(ख) कल – ....

(ग) भर – ....

(घ) महल – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. अकबर कौन था? इस संबंध में जानकारी एकत्र कर दस वाक्य लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

EDITONE INTERNATIONAL

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. राजा के महल में क्या-क्या मिल सकता है? चित्र देखकर अंदाजा लगाते हुए बताइए।

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

11. राजा के चित्र में सुंदर रंग भरते हुए सजाएँ और शिक्षक को दिखाएँ।